केंग्रक

बीएपीछपुरता अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादन.

संवा में

मुख्य **वन संरक्षक** नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन उत्तराखण्ड, नैनीताल

वन एवं पर्यावरण अनुमाग-2

देहरादून : दिनांक 3 0 अगस्त, 2007

विषय:- दन विभाग के अनुदान संख्या-27 आयोजनेत्तर पक्ष में वर्ष 2007-08 की वित्तीय स्वीकृति. महोदय

उपरोक्त विषयक आपके धत्रांक-नि 131/3-9 दि० 25 जुलाई, 2007. सचिव, बित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या=599/xxvu(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई, 2007 तथा शासनादेश सं0-3463/x-2-2007-12(5)/2007 दि० 31 जुलाई, 2007 के क्रम में भुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनेत्तर पक्ष में पूर्व में अवमुक्त पनराशि रू० 1,04,87,41,000/-के अतिदिक्त संलग्नक में उल्लिखित योजनाओं के लिये रू० 25,77,59,000/- (रू० पपीस करोंड सतहत्तर लाख उन्सठ हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महादय निम्न शर्ता एवं प्रतिबंधों के अधीन सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1. उक्त स्वीकृत व्यय चालू गोजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्या के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश स्0-255/XXVIII1/2007, दिनांक 26 मार्च, 2007 तथा पत्र संख्या-599/XXVIII1/2007, दिनांक 12 जुलाई. 2007, द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति /यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाये सम्भावित व्यय की फेलिंग त्रिमास के आधार पर), श्रेणीवार पदों का विवरण तथा अन्य सूचनायें एवं विवरण समयवद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर परचंज रूल्स) वित्तीय नियम सम्बद खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग -1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
- योजनाओं की विभिन्न मदो पर व्यस शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाने तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी शासन की पूर्व सहमति। स्वीकृति ली जान
- 2. (अ) मानक मद 12, 26 तथा 46 में विभाग स्वीकृति से पूर्व उपलब्धता इंगित करंगे.
- शासन के व्यय में मितव्यवता निताना आक्स्यक है, अतः व्यय करते समय मितव्यवता के सम्बन्ध में विभिन्न नियमों तथा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कडाई से पालन किया जाय.
- 4. क्षेत्र की बोजनाओं के सापेक्ष आवंटन अपने स्तर से किया जाय.
- 5, धनराशि का आहरण/ब्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.
- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना स्निश्चित किया जाव.



- 7. अप्रयुक्त धनराशि वजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित
- उयत्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत किया जायेगा संलग्नक में उत्लिखित लेखा शीर्षक की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नाम में डाला जायेगा. 2.
- दे आदेश दिल विभाग की अवशावपत्र सख्या- १४६(एन पी विल अनु०-४/२००७ दिनांक २९ अगस्त, २००७ द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं.

संलग्नक : यथोपरि.

भवदीय,

अपर सचिव

संख्या-3747(1)/x-2-2007-12(5)/2007, तद्दिनांकत.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
- 2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
- आयुक्त गढ्याल/कुमाॐ मण्डल, उत्तराखण्ड.
- समस्त जिलापिकारी, उताराखण्ड.
- अपर सचिव , विला अनुमाग-४ , उत्तराखण्ड शासन , देहरादृत .
- निजी सचिव मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन देहरादून.
- निजी सचिव, मा० वन एवं पर्यावरण मंत्री, उताराखण्ड शासन, देहराद्न.
- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
- निदेशक, कोषागार एवं विता सेवार्य, देहरादून.
- 10 बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सविवालय देहरादून.
- 11. समस्त कोषाधिकारी मुख्य वरिष्ठ कोपाधिकारी, उत्तराखण्ड.
- 12 प्रभारी एन आई सी , उत्तराखण्ड सविवालय, देहरादून
- 13. गार्ड फाईल (वे).

हिंदाम सिंह अनुसचिव bus.

